

912

कक्षा 9वीं वार्षिक परीक्षा, 2022-23

[401]

HINDI

हिन्दी

[Total No. of Questions: 23]

[Total No. of Printed Pages: 06]

[Time: 03 Hours]

[Maximum Marks: 75]

सामान्य निर्देश -

- (1) इस प्रश्न पत्र में कुल 23 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं।
- (2) प्रश्न क्रमांक 06 से 23 तक सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं। इन प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न का एक ही उत्तर लिखिए।
- (3) प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। कुल निर्धारित अंक $1 \times 30 = 30$
- (4) प्रश्न क्रमांक 6 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। (शब्द सीमा लगभग 30 शब्द)
- (5) प्रश्न क्रमांक 18 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। (शब्द सीमा लगभग 75 शब्द)
- (6) प्रश्न क्रमांक 21 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। (शब्द सीमा लगभग 120 शब्द)



प्र. 1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए -

(1×6=6)

(i) प्रेममार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि है -

- (अ) कबीर
- (ब) तुलसी
- (स) जायसी ✓
- (द) सूरदास

(ii) 'मेघ आए' रचना है -

- (अ) महादेवी वर्मा की
- (ब) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की ✓
- (स) सुमित्रानंदन पंत की
- (द) राजेश जोशी की

(iii) काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्त्व कहलाते हैं -

- (अ) रस
- (ब) छन्द
- (स) काव्यगुण
- (द) अलंकार

(iv) झूरी ने दोनों बैलों को भेज दिया -

- (अ) मौसी के घर
- (ब) दादी के घर
- (स) ससुराल ✓
- (द) नानी के घर

(v) 'दो वर्णों' के मेल से होने वाले परिवर्तन को कहते हैं -

- (अ) संधि
- (ब) समास
- (स) शब्द
- (द) वाक्य

(vi) राम स्वरूप ने रतन से मँगवाया था -

- (अ) चीनी
- (ब) मक्खन
- (स) दूध
- (द) सब्जी

प्र 2 निम्नलिखित रिक्त स्थान में सही शब्द का चयन कर लिखिए -

(1×6=6)

(i) एक भारतीय आत्मा को कहा जाता है।

(रसखान / माखनलाल चतुर्वेदी / महादेवी वर्मा)

(ii) महाकाव्य में जीवन का चित्रण होता है।

(संपूर्ण / एक पक्ष का / अधूरे पक्ष का)

(iii) रसखान ने छंद में रचनाएँ लिखी हैं। (सोरठा / कवित्त / सवैया)

(iv) उपभोक्तावादी संस्कृति से समाज में वर्गों के मध्य बढ़ रही है।

(दूरी / टकराव / नजदीकी)

(v) 'उपहास' शब्द में उपसर्ग है। (उप / हास / उपहा)

(vi) उर्दू में 'तालीम' शब्द का अर्थ होता है। (शिक्षा / अनपढ़ / अशिक्षा)

प्र 3 निम्नलिखित जोड़ियों का सही मिलान कर लिखिए -

(1×6=6)

स्तम्भ (अ)

स्तम्भ (ब)

(i) छायावाद

(क) श्यामाचरण दुर्बे (111)

(ii) संस्कृति तथा शिक्षा

(ख) गाँव (10)

(iii) पंचवटी

(ग) प्रकृति का मानवीकरण (11)

(iv) ग्राम का तदभव

(घ) गधा (1)

(v) बुद्धिहीन प्राणी

(ङ) खण्ड काव्य

(vi) मेरे संग की औरतें

(च) महादेवी वर्मा (1)

(छ) मृदुला गर्ग (1)

(ज) सुभद्रा कुमारी चौहान

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए -

(1×6=6)

- (i) रसखान किसके अनन्य भक्त थे?
- (ii) प्रबंध काव्य के भेदों के नाम लिखिए।?
- (iii) साहित्यिक पुरस्के किसे कहा गया है?
- (iv) समास कितने प्रकार के होते हैं? 6
- (v) 'बल' शब्द में 'वान' प्रत्यय लगाने से कौन सा शब्द बनेगा?
- (vi) 'इस जल प्रलय में पाठ में बाढ़ के पानी को क्या कहा गया है?

प्र.5 निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य कथन छांटकर लिखिए -

(1×6=6)

- (i) ललछद की रचनाएँ लोक जीवन से प्रेरित नहीं हैं। १
- (ii) 'रसयुक्त वाक्य ही काव्य है।' कथन आचार्य विश्वनाथ का है।
- (iii) पक्षियों की मधुर आवाज से आम आदमी रोमांचित नहीं होता।
- (iv) राम पढता है। संयुक्त वाक्य है।
- (v) विभीषिका से तात्पर्य भयंकरता है।
- (vi) उमा साहसी लडकी थी।

प्र.6 भक्तिकाल को स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? लिखिए।

(2)

अथवा

छायावाद की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र.7 सुमित्रानंदन पंत अथवा रसखान कवि के भाव सौन्दर्य की दो विशेषताएँ लिखिए।

(2)

प्र.8 हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

(2)

अथवा

गॉव को 'मरकत डिब्बे सा खुला' क्यों कहा है? लिखिए।

प्र.9 मानसरोवर से कवि का क्या आशय है?

(2)

अथवा

✓ कवयित्री का घर जाने की चाह से क्या तात्पर्य है?

प्र.10 मुक्तक काव्य के प्रकारों के नाम लिखिए।

(2)

अथवा

रस किसे कहते हैं? रस के अंगों के नाम लिखिए।

प्र.11 ✓ दोहा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

(2)

अथवा

अनुप्रास अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्र.12 ✓ कहानी एवं उपन्यास में कोई दो अन्तर लिखिए।

(2)

अथवा

गद्य की गौण विधाओं के नाम लिखिए।

प्र.13 हरिशंकर परसाई अथवा महादेवी वर्मा की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

(2)

प्र.14 कांजी हौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती थी?

(2)

अथवा

तिब्बत में कानून व्यवस्था कैसी है? अपने शब्दों में लिखिए।

प्र.15 सालिम अली पक्षी प्रेमी कैसे बने? लिखिए।

(2)

अथवा

✓ लेखक श्यामाचरण दुबे ने उपभोक्तावादी संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है?

प्र.16 विलोम शब्द लिखिए -

(2)

- (i) ईमानदार (ii) दुःख
(iii) विश्वास (iv) धर्म

अथवा

निपात शब्द से क्या आशय है? उदाहरण सहित लिखिए।

प्र.17 बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कौन-कौन सी बीमारी फैलने का खतरा होता है?

(2)

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में कितने प्रकार के खेलों की चर्चा की गई है? लिखिए।

प्र.18 निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ-प्रसंग सहित लिखिए -

(3)

ऊँचे कुल का जनमियाँ, जे करनी ऊँच न होइ।

सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ।।

अथवा

फैली खेतों में दूर तलक,

मखमल की कोमल हरियाली।

लिपटी जिसमें रवि की किरणें,

चाँदी की सी उजली जाली।।

प्र.19 निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए -

(3)

दोनों बैलों का ऐसा अपमान कभी न हुआ था। झूरी उन्हें फूल की छड़ी से भी न छूता। उसकी टिटकार पर दोनों उड़ने लगते थे। यहाँ मार पड़ी। आहत-सम्मान की व्यथा तो थी ही, उस पर मिला सूखा भूसा। नौद की तरफ आँखें न उठाई।

अथवा

तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत सी तकलीफें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न ही औरतें परदा करती हैं। वह बहुत निम्न श्रेणी के भिखमंगो को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते; नहीं तो आप बिल्कुल घर के भीतर चले जा सकते हैं।

पृ.20 'पानी के महत्त्व' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

अपनी माँ से जन्मदिन की तैयारी के लिए किया गया संवाद लिखिए।

प्र.21 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
✓ स्वार्थ और परमार्थ मानव की दो प्रवृत्तियाँ हैं, हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिए करते हैं। 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म है, यही पुण्य है। इसे ही (परोपकार) कहते हैं। प्रकृति हमें निरन्तर परोपकार का संदेश देती है। नदी दूसरों के लिए बहती है। वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप, आँधी, वर्षा और तूफान में अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
- (ii) वृक्ष हमें परोपकार का संदेश कैसे देते हैं?
- (iii) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

नर हो न निराश करो मन को,

कुछ काम करो, कुछ काम करो।

जग में रहकर कुछ नाम करो।।

यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो।

समझो, जिससे यह व्यर्थ न हो।।

कुछ तो उपयुक्त करो मन को।

नर हो, न निराश करो मन को।।

- (i) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
- (ii) मनुष्य को क्या करना चाहिए?
- (iii) उपर्युक्त काव्यांश का भावार्थ लिखिए।

4.22 स्थानांतरण प्रमाण पत्र (T.C.) प्राप्त करने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

4.23 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर रूपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए-

(i) स्वास्थ्य ही धन है

(ii) पर्यावरण प्रदूषण

(iii) जीवन में खेलों का महत्त्व

(iv) मेरी प्रिय पुस्तक

(v) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्त्व